शब्दकोश:–

विजातीय संयुक्ताक्षर–नन्हा, बस्ता, रास्ते, मास्टर, पत्थर, तुम्हारे, बल्ब, अक्तू

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

18

नन्हा के घर भूत

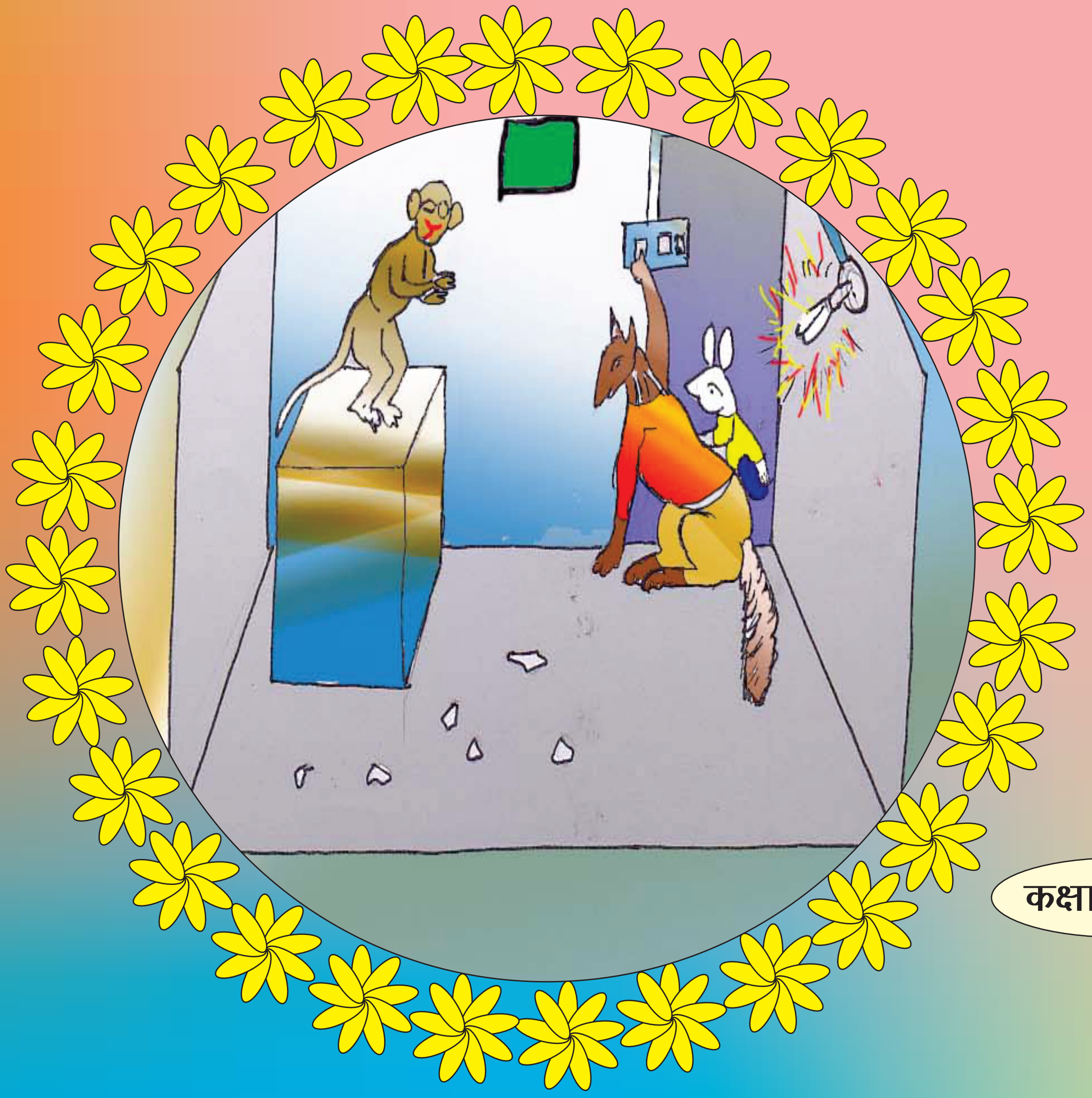

कक्षा–दूसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

नन्हा खरगोश बहुत उदास था। वह बस्ता लेकर शाला जा रहा था

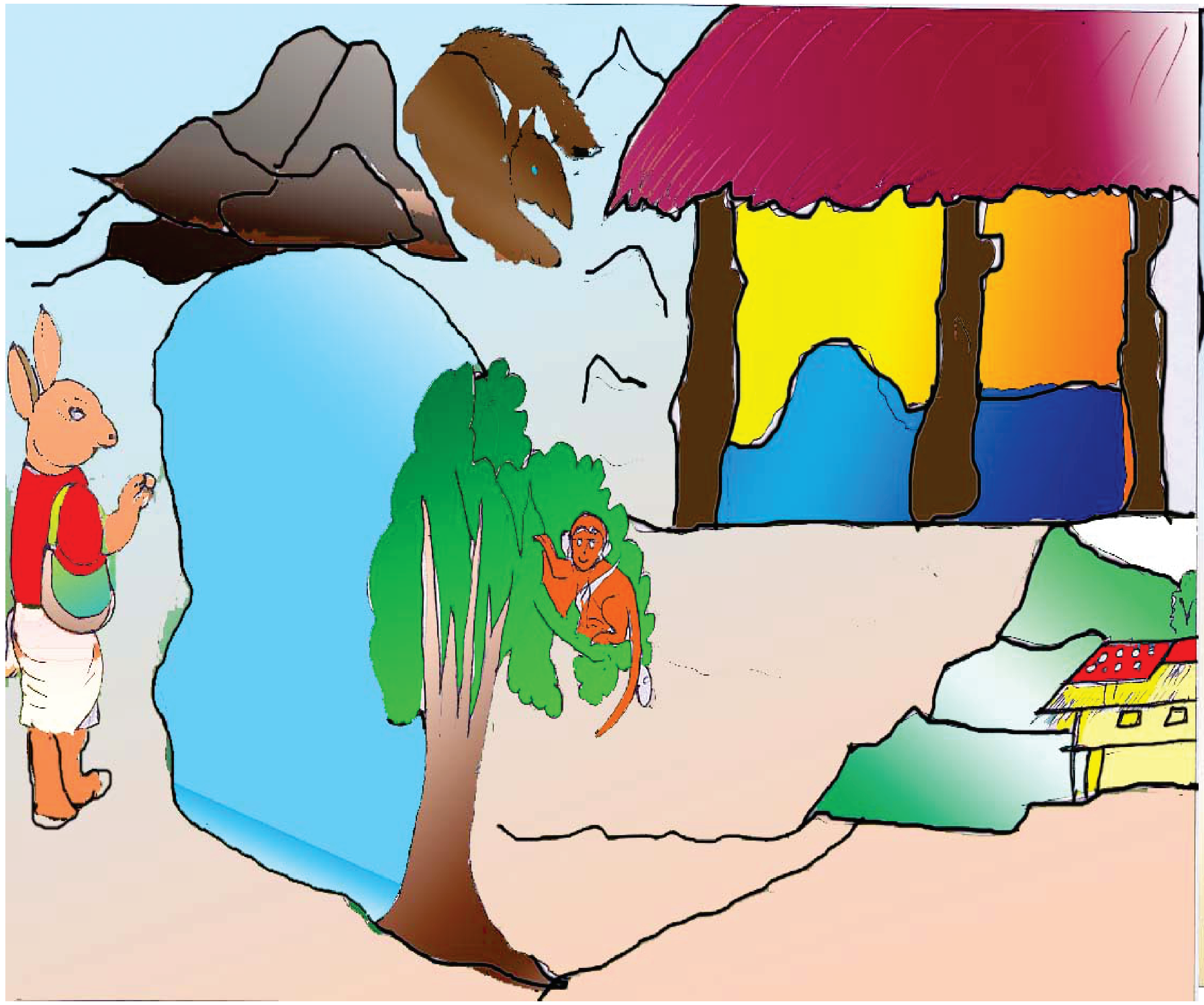

मास्टर जी ने तुरंत बल्ब जलाया। अक्तू बंदर पकड़ा गया। बंदर लज्जित हुआ। उसने अपने गलती के लिए माफी माँगी।

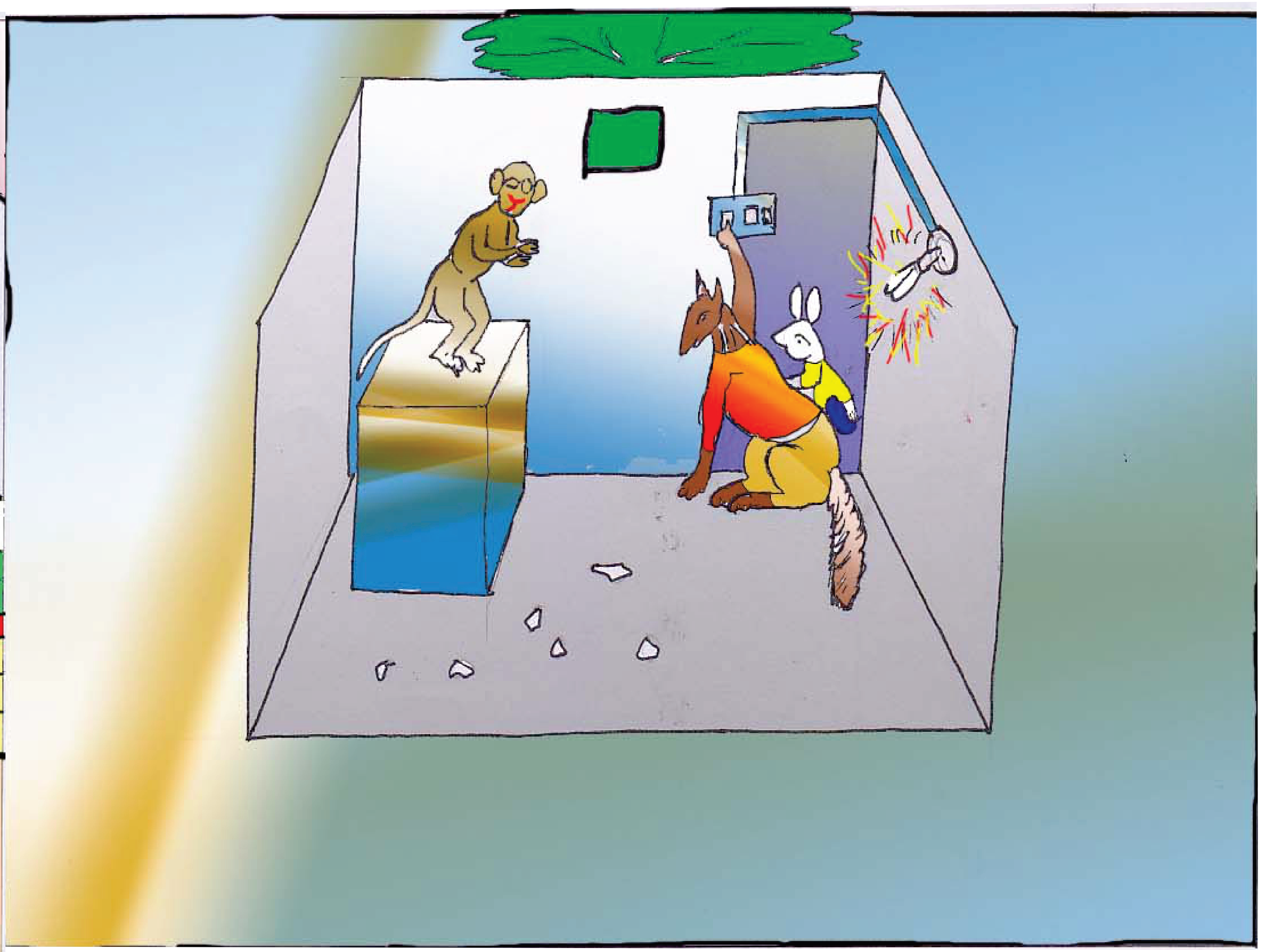

अंधेरा हुआ। पत्थर गिरने लगे। धड़ाम की आवाज हुई।

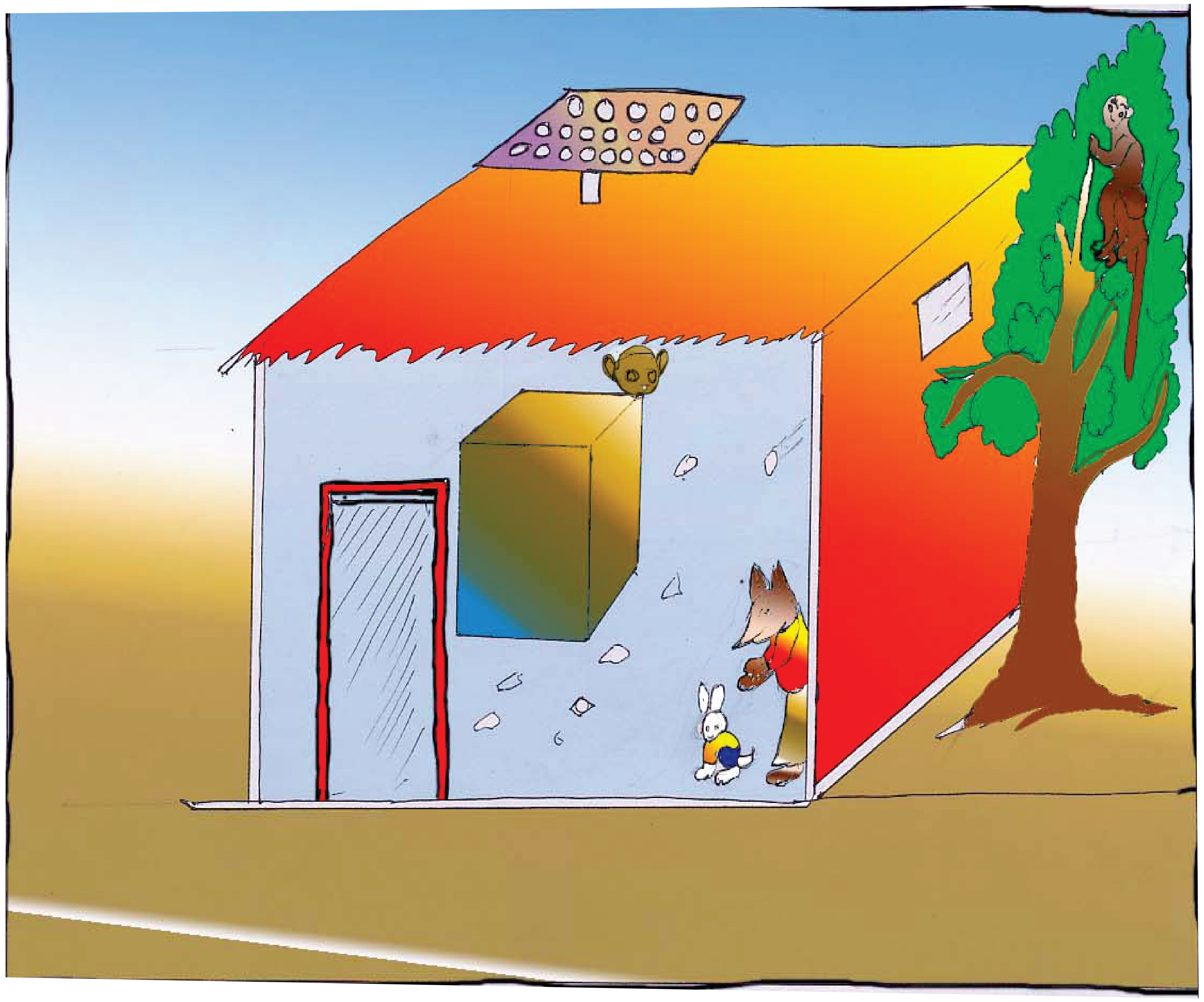

रास्ते मे सियार मास्टर जी ने पूछा– ''नन्हा, उदास दिख रहे हो?''
नन्हा बोला– ''मेरे घर में भूत है। वह रात में पत्थर मारता है। खाना भी खा जाता है।''

मास्टर जी बोले– ''नन्हा, भूत नहीं होते। चलो, तुम्हारे घर चलते हैं।''

वे घर पहुँचे। वहाँ पत्थर बिखरे थे। मास्टर जी ने कहा–''आज रात हम यहीं छिप कर देखेंगे।''